प्रो. साकेत कुशवाहा
कुलपति
Prof. Saket Kushwaha
Vice Chancellor

राजीव गाँधी विश्वविद्यालय
केंद्रीय विश्वविद्यालय
रोनोहिल्स,दोइमुख- ७९१ ११२
अरुणाचल प्रदेश, भारत
Rajiv Gandhi University
Central University
Rono Hills, Doimukh – 791 112
Arunachal Pradesh, India

दिनांक: 31 मई, 2021

विनम्र अपील

मेरे प्रिय सम्मानित सहयोगियो,

आप सबको मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

सबसे पहले तो आप सबके समक्ष यह साझा करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष की अनुभूति हो रही है कि हमने नैक तथा आई.क्यू.ए.आर सम्बन्धी सारी तैयारियाँ पूरी कर ली हैं। इतना ही नहीं बल्कि, हमने इससे सम्बन्धित आवश्यक दस्तावेजों को अपलोड भी कर लिया है। मैं अपनी तैयारियों से पूरी तरह संतुष्ट हूँ और मुझे पूरी आशा है कि इस बार के प्रत्यायन में हमारे विश्वविद्यालय को अच्छी श्रेणी प्राप्त होगी। इसके लिए आप सभी साधुवाद के पात्र हैं। यह हम सबके सामूहिक अथक परिश्रम का परिणाम है कि हम कोविड काल के इस चुनौतीपूर्ण समय में भी अपने दैनिक अकादमिक तथा प्रशासनिक दायित्वों का सफल निर्वहन कर पाए हैं। ऑनलाइन कक्षा पढ़ाने तथा अन्य तकनीकी कार्यों में आने वाली अनेक तकनीकी कठिनाइयों के निवारण के लिए हमने 4 फ़रवरी, 2021 को विश्वविद्यालय की स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर आप सबको अत्याधुनिक लैपटॉप देने की घोषणा की थी और इस सम्बन्ध में सम्बन्धित शाखा से यह सुखद सूचना मिली है कि हमारा सामान दस दिनों के भीतर हमें मिल जाएगा।

पिछले 14-15 महीनों से पूरा विश्व कोरोना महामारी के चपेट में है और इससे लड़ रहा है। इस वैश्विक महामारी की श्रृंखला को तोड़ने के लिए विश्व भर में कई बार लॉकडाउन भी लगाये गए और पूरे विश्व को इसका काफी लाभ भी मिला। मुझे खुशी और गर्व है कि हमने तमाम सरकारी दिशानिर्देशों का पालन करते हुए अपनी दैनिक गतिविधियों को सुचारू रूप से संपन्न किया। वैज्ञानिकों ने कोविड-19 की दूसरी लहर को ज्यादा खतरनाक एवं जानलेवा बताया है। महामारी की दूसरी लहर में मृतकों की बढ़ती संख्या चिंताजनक है इसलिए भारत के कई राज्यों ने एहतियातन कई बार लॉकडाउन लगाया। यही स्थिति अरुणाचल प्रदेश की भी रही। इस वर्ष अरुणाचल राज्य ने भी

दूरभाष:/Tel: +91-360-2277252 (Off.) 2277261 (आवास/Resi.) +91-9936451995 (M), फैक्स:/Fax: +91-360-2277317
ईमेल:/E-mail: saket.kushwaha@rgu.ac.in/vc@rgu.ac.in वेबसाइट:/Website: www.rgu.ac.in

अपनी जनता की सुरक्षा के लिए 10 मई से 31 मई तक लॉकडाउन लगाया, परन्तु कोरोना संक्रमण की बढ़ती दर को ध्यान में रखते हुए राज्य में लॉकडाउन को सप्ताह भर के लिए बढ़ाया गया है।

साथियो ! शैक्षणिक परिषद् में लिए गए निर्णयानुसार इस वर्ष से हम महाविद्यालयों में भी चयन आधारित क्रेडिट पद्धति (CBCS) प्रारंभ करने जा रहे हैं। इसके लिए लगभग सभी विभागों ने बग्स (BUGS) की बैठकें संपन्न कर ली हैं और उनका पाठ्यक्रम भी बनकर तैयार है। परन्तु, मुझे बड़े दुःख के साथ यहाँ यह कहना पड़ रहा है कि कुछ विभागों ने अभी तक पाठ्यक्रम-निर्माण का कार्य पूरा नहीं किया है। ऐसे विभागों के सदस्यों, विशेष रूप से विभागाध्यक्षों से मेरा विशेष आग्रह है कि आप सब लोग अपनी उर्जा एवं अनुभवों का अधिक से अधिक लाभ विश्वविद्यालय तथा देश हित को समर्पित करें। साथ ही यह भी आत्ममूल्यांकन का विषय है कि समान परिस्थितियों में बहुत से अन्य विभागों के आपके सहयोगियों ने इसी कार्य को अप्रैल के महीने में ही पूरा कर लिया था। इस बीच निरंतर बढ़ने वाली लॉकडाउन की अवधि मेरी चिंता को और बढ़ा रही है। मैं उन सभी विभागों से हृदय से यह आग्रह करता हूँ कि आप सभी 2 जून, 2021 तक उक्त पाठ्यक्रम को शैक्षणिक शाखा को जमा कर देंगे। जैसा कि आप सबको विदित है कि हमारे पास एकदम समय नहीं है, हम जून के अंत अथवा जुलाई के प्रारंभ तक कॉलेज तथा विश्वविद्यालय में नए सत्र को शुरू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सी.बी.सी.एस के अनुपालन में बने नवीन पाठ्यक्रमों के अनुमोदन के लिए हम 8 जून, 2021 (मंगलवार) को आभासीय पटल (blended mode) पर शैक्षणिक परिषद् की एक विशेष बैठक का आयोजन करेंगे। आप लोगों के लिए यह विचारणीय तथ्य है कि सी.बी.सी.एस का नया प्रारूप कॉलेज के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए बहुत नया एवं अपरिचित भी है और विशेष बात यह भी है कि इस पद्धति में प्रथम वर्ष से ही छात्रों को प्रतिष्ठा (आनर्स) की पढ़ाई करनी होगी। इसलिए हमने यह भी प्रस्ताव रखा है कि पाठ्यक्रमों का शैक्षणिक परिषद् से अनुमोदित होने के तुरन्त बाद कॉलेज के शिक्षकों के लिए इस पद्धति को समझने के लिए एक दिन की कार्यशाला आयोजित करेंगे। साथ ही हम यह भी चाहते हैं कि यह पाठ्यक्रम बहुत जल्द कॉलेज के शिक्षकों के हाथों में चला जाए जिससे कि उनको भी इसे समझने तथा अपनी तैयारी करने का पर्याप्त समय मिल जाये।

आप सभी की जानकारी के लिए यह बता दूं कि पूर्वोत्तर के लगभग सभी विश्वविद्यालयों ने दो वर्ष पूर्व ही अपने पाठ्यक्रमों में चयन आधारित क्रेडिट पद्धति (CBCS) लागू कर लिए हैं। मेरे लिए यह दुखद अनुभव है कि हम इस महत्वपूर्ण कार्य में अन्य

विश्वविद्यालयों से पीछे हैं। इस सम्बन्ध में मैं अपना व्यक्तिगत अनुभव आप सबके समक्ष रख रहा हूँ कि कई संस्थाएं अपने-अपने तरीकों से समय-समय पर छात्रों के प्रवेश के लिए अर्हता एवं पात्रता के मानदंड तैयार करती है। मेरा अनुभव यह कहता है कि निकट भविष्य में कई विश्वविद्यालय ऐसे छात्रों का प्रवेश नहीं करायेंगे जिनको सी.बी.सी.एस के अंतर्गत उपाधियाँ नहीं मिली हों और ऐसे में हमारे छात्रों को आगे पढ़ाई के लिए उनके पसंद की संस्थाओं में प्रवेश नहीं मिल पायेगा और तो और कई मामलों में उनकी उपाधियाँ व्यर्थ भी हो सकती हैं। इसलिए मैं कहता हूँ कि इस सत्कार्य को दबाव के रूप में नहीं बल्कि कर्तव्य के रूप में स्वीकार करें।

संकट के इस काल में भी हमारा संकल्प चट्टान की तरह मजबूत रहा है। हमने चतुर्थ सत्र का पाठ्यक्रम पूरा कर लिया है और अब 7 जून से परीक्षा प्रारंभ करने के लिए हम दृढ़निश्चयी भी हैं। हमने परीक्षा की पूरी तयारी कर ली है। मुझे पूरी उम्मीद है कि हम अपने कर्तव्यों के अनुपालन में कोई बकाया शेष नहीं रहने देंगे। हम ऐसे बहाने क्यों ढूढें, जिनसे कि हमारी कार्य-क्षमता एवं पुरुषार्थ पर कोई प्रश्नचिह्न खड़ा करे। संस्था बहानों से नहीं कर्म करने से पोषित एवं फुलित-फलित होती है। मुझे पूरी आशा है कि आप सभी मेरे इस आग्रह में निहित गहन अर्थों को गंभीरतापूर्वक ग्रहण करेंगे।

ईश्वर से मेरी प्रार्थना है कि ईश्वर आप सभी को सपरिवार कुशल एवं स्वस्थ रखें। अंत में पुनः एक बार आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

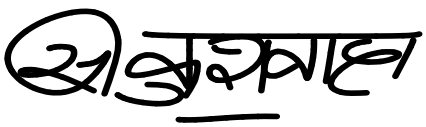

प्रो. साकेत कुशवाहा